पाठ 1: वास्तविकता की जाँच

क. आत्म-परीक्षण की आवश्यकता

1. प्रेरित पौलुस ने कुरिन्थ की कलीसिया के मसीहियों से क्या आग्रह किया? 2 कुरिन्थियों 13:5
2. यह आग्रह आज हमारे जीवन के लिए इतना प्रासंगिक क्यों है?
3. भजनकार दाऊद की कौन-सी प्रार्थना हमारी आत्मिक स्थिति का मूल्यांकन करने में सहायक हो सकती है? भजन संहिता 139:23-24
4. उस समय को साझा करें जब आपको परमेश्वर के साथ और अधिक निकट संबंध की अपनी गहरी आवश्यकता का एहसास हुआ। आपको अपनी इस आवश्यकता का पता कैसे चला?

ख. गुनगुने मसीहियों के लिए परामर्श

1. प्रकाशितवाक्य 3:14-17 — विश्वासयोग्य और सच्चे साक्षी का लौदीकिया के मसीहियों के लिए यह परामर्श आज हमारे जीवन के लिए इतना प्रासंगिक क्यों है?
2. इस परामर्श का कौन-सा भाग आपको सबसे अधिक प्रभावित करता है?
3. यीशु हमें क्या सलाह देता है? प्रकाशितवाक्य 3:18-19
4. गुनगुने मसीहियों के लिए इस संदेश में आप परमेश्वर के प्रेम को कहाँ प्रकट होते देखते हैं?
5. प्रकाशितवाक्य 3:20 में दर्ज यीशु के निमंत्रण के प्रति आपकी क्या प्रतिक्रिया है?
6. हम अपने जीवन के द्वार को कैसे खोलें ताकि यीशु के साथ और अधिक निकट संबंध का अनुभव कर सकें?

ग. यहोवा परमेश्वर हमारे साथ एक घनिष्ठ संबंध चाहता है

1. उत्पत्ति 2:7 — सृष्टि का वर्णन किस प्रकार यह दिखाता है कि हमारा सृष्टिकर्ता हमारे साथ एक घनिष्ठ संबंध चाहता है?
2. उत्पत्ति 3:1-9 — पाप के प्रवेश ने हमारे प्रथम माता-पिता के साथ परमेश्वर के घनिष्ठ संबंध की इच्छा को कैसे प्रभावित किया?
3. उत्पत्ति 5:21-24 — हम हनोक के समान परमेश्वर के साथ उस स्तर की निकटता का अनुभव कैसे कर सकते हैं?
4. भविष्यद्वक्ताओं को दिए गए कौन-से प्रकाशन यह पुष्टि करते हैं कि यहोवा हमारे साथ एक घनिष्ठ संबंध रखना चाहता है? निर्गमन 25:8, यिर्मयाह 31:3, सपन्याह 3:17 आदि।
5. हमारे साथ घनिष्ठ संबंध रखने की परमेश्वर की इच्छा का सबसे बड़ा प्रकाशन आपको कहाँ मिलता है? यूहन्ना 1:1-4, 14, 16; 14:23 आदि।
6. यीशु के जीवन की कौन-सी कहानियाँ यह दर्शाती हैं कि परमेश्वर हमारे साथ एक घनिष्ठ संबंध चाहता है?
7. यूहन्ना 15:1-11 में यीशु की शिक्षा किस प्रकार यह दिखाती है कि परमेश्वर हमारे साथ एक घनिष्ठ संबंध चाहता है?
8. जब हम परमेश्वर के साथ और अधिक घनिष्ठ संबंध की खोज करते हैं, तो पवित्र आत्मा हमारी कैसे सहायता करता है? यूहन्ना 14:16-18; 15:26; 16:7, 8, 13; रोमियों 8:26 आदि।
9. परमेश्वर के साथ और अधिक घनिष्ठ संबंध का अनुभव करने के लिए यहोवा के निमंत्रण के प्रति आपकी क्या प्रतिक्रिया है?